



पीएम मोदी का खुलासा- मैंने 20 साल पहले ही बना लिया था सेमीकंडक्टर प्लान

देश में चिप प्रोजेक्ट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 20 साल पहले ही सेमीकंडक्टर प्लान बना लिया था। उन्होंने बताया कि उस समय केंद्र सरकार ने उनका साथ नहीं दिया था। (जीएनएस)।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि लगभग दो दशक पहले उन्होंने राज्य में एक सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने की पूरी योजना तैयार कर ली थी। लेकिन तत्कालीन केंद्र सरकार के असहयोग के कारण वह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका।

पीएम मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में उद्घाटन के आउटसोर्सड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (OSAT) प्लांट का उद्घाटन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने पुराने दिनों के इस अधूरे सपने को याद किया।

क्या बोले पीएम मोदी?
अपनी पुरानी योजना का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, '20 साल पहले, शायद उससे भी पहले,

मैंने गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने का पूरा प्लान तैयार किया था। मैंने गांधीनगर और प्रातिज के पास 350 से 400 एकड़ जमीन भी

उड़ाता था। तब यह नहीं हो सका, लेकिन आज इसे हकीकत बनते देख मुझे दिल से बेहद खुशी हो रही है।' सेमीकंडक्टर हब बनने का



तय कर ली थी और कुछ कंपनियों से बातचीत भी हो चुकी थी। उस समय भारत सरकार बड़े-बड़े दावे कर रही थी, जिससे कंपनियां बातचीत के लिए आती थीं। लेकिन न जाने क्यों, तत्कालीन केंद्र सरकार के पैर जैसे बेड़ियों में जकड़े हुए थे और मामला आगे नहीं बढ़ सका।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'जब मैं उस समय इस विषय पर बात करता था, तो मीडिया मेरा मजाक

सफर
2007-2009 की नीति: जनवरी 2009 में तत्कालीन आईटी मंत्री ए. राजा ने कहा था कि 2007 की सेमीकंडक्टर नीति के तहत 1.57 लाख करोड़ रुपये के 17 प्रस्ताव मिले थे, लेकिन यह इंडस्ट्री रफ्तार नहीं पकड़ सकी।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 1.0 (2021): मोदी सरकार ने दिसंबर 2021 में 76,000 करोड़ रुपये के

बजट के साथ इस मिशन को मंजूरी दी, जिसमें कंपनियों को 50% तक की वित्तीय मदद दी गई।

मिशन 2.0 (बजट 2026-27): सरकार ने अब रिसर्च और वर्कफोर्स ट्रेनिंग के लिए 1000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन के साथ मिशन 2.0 की घोषणा की है।

बड़ा निवेश: दिसंबर 2025 तक सरकार ने 6 राज्यों में 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश वाली 10 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

कितना बड़ा बाजार?

भारतीय सेमीकंडक्टर बाजार का आकार जो 2023 में 38 अरब डॉलर था, उसके साल 2030 तक 100 से 110 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि साणंद प्लांट में बनने वाली चिप्स का इस्तेमाल कारों, रकूटरों और अन्य औद्योगिक उपकरणों में किया जाएगा। सबसे खास बात यह है कि यहां बनी चिप्स को जापान, अमेरिका और यूरोप जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक्सपोर्ट

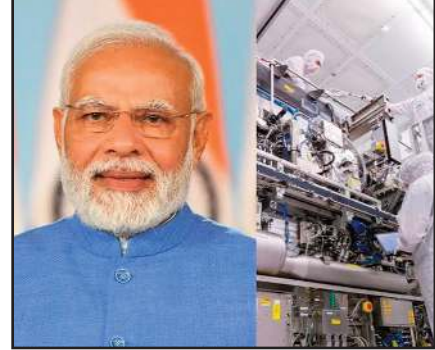
किया जाएगा, जिससे वैश्विक स्तर पर भारतीय तकनीक की पहचान बनेगी।

पीएम मोदी ने सेमीकंडक्टर इकाई में कार्यरत युवा कर्मचारियों का वीडियो साझा किया

(जीएनएस)।
अहमदाबाद, पांच जुलाई (भाषा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद जिले में 'सीजी सेमी आउटसोर्सड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी)' इकाई के उद्घाटन के एक दिन बाद रविवार को वहां कार्यरत युवा कर्मचारियों के साथ अपने संवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया।

'एक्स' पर जारी इस वीडियो में झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, जम्मू-कश्मीर और बिहार के कर्मचारी प्रधानमंत्री के यह पृष्ठ पर अपनी निजी और पेशेवर यात्राओं के बारे में बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं कि क्या उन्हें उनके काम से खुशी मिली है और क्या इससे उनकी जिंदगी बदली है।

मध्यप्रदेश निवासी शिवानी विके ने संवाद के दौरान बताया कि वह राज्य के बाहर काम करने वाली अपने गांव की पहली लड़की हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपने गांव की



पहली बेटी हूँ, जो राज्य के बाहर काम कर रही है। गांव वाले इस बात से प्रभावित हैं कि अब मैं आत्मनिर्भर हूँ।'

झारखंड की पूनम कुमारी ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें सीजी सेमी में नौकरी मिली और बाद में उन्हें प्रशिक्षण के लिए मलेशिया भेजा गया।

जब मोदी ने कहा कि उनके गांव के लोगों ने शायद पहले आईटीआई कोर्स की अहमियत को कम करके आंका होगा, तो पूनम ने कहा कि गांव वाले शुरू में मानते थे कि घर से



दूर पढ़ाई करने के बाद वह कुछ खास हासिल नहीं कर पाएंगी। उन्होंने कहा, 'लेकिन मैंने जब सेमीकंडक्टर इकाई में काम शुरू किया, तो गांव वालों की सोच बदल गई।'

झारखंड की ही रहने वाली प्रियंका धनवार ने कहा कि वह विदेश यात्रा करने वाली अपने परिवार की पहली शख्स हैं और उनकी उपलब्धियों ने उनके माता-पिता को गौरवान्वित किया है।

प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के कौशल कुमार और बिहार के सत्यम सिन्हा से भी बातचीत की।

एक अन्य कर्मचारी ने बताया कि मलेशिया में प्रशिक्षण आसान हो गया, क्योंकि जब भी प्रशिक्षुओं को कोई विषय समझने में मुश्किल होती थी, तो वरिष्ठ प्रशिक्षक उन्हें हिंदी में और प्रस्तुतियों के जरिये समझाते थे।

शनिवार को 'सीजी सेमी आउटसोर्सड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी)' इकाई के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने कहा था कि सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्रांति अनगिनत अवसर पैदा करेंगी। उन्होंने युवा भारतीयों से इस मौके को न चूकने का आग्रह किया था।

सरकार ने आयुध कारखाने के लगभग 65,000 पूर्व कर्मचारियों को नियमित सरकारी सेवा में स्थानांतरित करके उनका भविष्य सुरक्षित किया: डॉ. जितेंद्र सिंह

भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को कर्मचारी-केन्द्रित सुधारों के लिए धन्यवाद दिया
सरकार कर्मचारी कल्याण और प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करने के लिए सुधारों को आगे बढ़ा रही है: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।
भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) और देश भर से संबद्ध कर्मचारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले 19 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट की और सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और प्रशासनिक सुधारों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने सरकार की कर्मचारी-केन्द्रित पहलों विशेष रूप से

लगभग 65,000 आयुध कारखाने के पूर्व कर्मचारियों को नियमित सरकारी सेवा में स्थानांतरित करने के निर्णय



को सुविधाजनक बनाने के लिए मंत्री की सराहना की और इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया जिसने आयुध कारखाना बोर्ड के पुनर्गठन के बाद हजारों कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित किया है।

इस प्रतिनिधिमंडल में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस), भारतीय प्रशिक्षण मजदूर संघ (बीपीएमएस), सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ (जीईएनसी), सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ, एसएचएआर कर्मचारी ट्रेड यूनियन और अंतरिक्ष कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि शामिल थे। ये प्रतिनिधि देश

भर में रक्षा प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों, वैज्ञानिक संस्थानों और अन्य केंद्रीय सरकारी सेवाओं के



कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने संस्थागत संवाद को माध्यम से सेवा संबंधी मुद्दों को सरकार के समक्ष लाने में कर्मचारी संगठनों द्वारा निभाई गई रचनात्मक भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि हितधारकों के साथ नियमित संवाद से शासन व्यवस्था मजबूत होती है और सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से संबंधित मुद्दों का समय पर समाधान संभव होता है।

प्रतिनिधिमंडल ने आयुध कारखाना के पूर्व कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति तिथि तक मानद

15 जहाजों ने सुरक्षित पार किया हॉर्मुज, भारत में बहंगा उर्वरकों का भंडार

भारत के लिए उर्वरक एवं कच्चा माल लेकर आने वाले कुल 15 जहाज सुरक्षित रूप से

हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं। इन जहाजों के माध्यम से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत में उर्वरकों एवं कच्चे माल की आपूर्ति जारी है। उर्वरक एवं कच्चा माल लेकर आ रहे इन जहाजों के भारतीय तटों पर पहुंचने के साथ ही भारत के उर्वरक भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। पश्चिम एशिया में हाल ही में उत्पन्न संघर्ष के दौरान हॉर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात प्रभावित होने के बावजूद भारत सरकार ने समयबद्ध रणनीति, प्रभावी समन्वय तथा निरंतर निगरानी के माध्यम से देश में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत-जी राम जी के लिए राज्यों को ₹25,863 करोड़ की पहली किस्त जारी की

(जीएनएस)।
केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) [वीबी-जी राम जी] के क्रियान्वयन की समीक्षा की तथा राज्यों को योजना के संचालन के लिए ₹25,863 करोड़ की पहली किस्त (मदर सैक्शन) जारी की। बैठक को संबोधित करते हुए श्री चौहान ने कहा कि सरकार का संकल्प था कि 1 जुलाई, 2026 से विकसित भारत-जी राम जी पूरे देश में बिना किसी व्यवधान के लागू हो। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि योजना पूरे देश में

सफलतापूर्वक लागू हो चुकी है तथा मनरेगा से विकसित भारत-जी राम जी में ट्रांजीशन पूरी तरह सहज और सुचारु रहा है। अब तक किसी भी प्रकार की तकनीकी अथवा संचालन संबंधी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि गरीब मजदूर भाई-बहनों की सेवा ही भगवान की



सेवा है। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक रोजगार, समय पर मजदूरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में

टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण सुनिश्चित करना है।

श्री चौहान ने कहा कि मनरेगा को पूरे देश में लागू होने में लगभग तीन वर्ष का समय लगा था, जबकि विकसित भारत-जी राम जी एक ही दिन में पूरे देश में लागू हो गया। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, राज्यों के सहयोग तथा देश की प्रशासनिक क्षमता की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री के संकल्प, सुशासन और प्रभावी समन्वय का प्रतीक है।

मंत्रों ने प्रारंभिक प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि पहले सहाज में बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतों में कार्य प्रारंभ हुए हैं तथा लाखों ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

श्री अमित शाह सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में कई महत्वपूर्ण पहलों का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।
केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह कल, 6 जुलाई 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होंगे। यह समारोह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन और श्री अमित शाह के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जिनके मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र पारदर्शिता, तकनीक के उपयोग, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और जमीनी स्तर के सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ा है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, सहकारी बैंकों, डेयरी सहकारी समितियों, शहरी सहकारी संस्थाओं, राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्थाओं और बहु-राज्य

सहकारी समितियों के लिए कई परिवर्तनकारी पहलों की हैं। इस अवसर पर श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय मन्त्यपालन, पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री; श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान; श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता राज्य मंत्री; और श्री मुरलीधर मोहोले, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ-साथ, इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, सहकारिता मंत्रालय; श्री आतिश चंद्र, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; और श्री नरेश पाल गंगवार, सचिव, पशुपालन और

डेयरी विभाग तथा विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय सहकारी संस्थाओं, सहकारी महासंघों, सहकारी बैंकों, डेयरी सहकारी संस्थाओं, सहकारी फंड, डेयरी सहकारी पशुपालन और डेयरी एवं पंचायती राज मंत्री; श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान; श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सहकारिता राज्य मंत्री; और श्री मुरलीधर मोहोले, सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। इसके साथ-साथ, इस अवसर पर डॉ. आशीष कुमार भूटानी, सचिव, सहकारिता मंत्रालय; श्री आतिश चंद्र, सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; और श्री नरेश पाल गंगवार, सचिव, पशुपालन और



लखनऊ के आम महोत्सव में बस्ती के अमरडोभा के आम को मिला पुरस्कार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी सराहना

(जीएनएस)।
बस्ती। तीन से पांच जुलाई तक लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित आम महोत्सव में बस्ती जनपद को बड़ी उपलब्धि मिली है। यहां के अमर डोभा गांव में आरबीएस संस्थान से जुड़े प्रगतिशील तीन किसानों को पुरस्कार मिले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां के आमों की सराहना की है। उन्होंने हाथ में आम लेकर फोटो भी खिंचवाए। कृषि मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी उनके साथ रहे।

अमरडोभा के प्रगतिशील किसान अवनीश कुमार सिंह को वनराज प्रजाति के आम को द्वितीय स्थान, नाजुक बदन प्रजाति को द्वितीय पुरस्कार, अमित कुमार सिंह के जरदालु प्रजाति के आम को तृतीय

स्थान एवं अंकित कुमार सिंह के स्वर्णरेखा आम को द्वितीय स्थान मिला है। इसकी पुष्टि जिला उद्यान अधिकारी अरुण कुमार त्रिपाठी ने की है। इस आयोजन में पूरे प्रदेश के



किसान शामिल हुए थे, जो आम की बागवानी में बेहतर काम किए हैं। बनकटी विकास खंड का अमरडोभा

गांव के आम की यह दूसरी उपलब्धि है। इसके पहले बस्ती भ्रमण के दौरान यहां के आम प्रशंसा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल भी कर चुकी हैं।



अमरडोभा के 21 बीघे में विकसित आम के बाग में देश-विदेश की करीब 70 उन्नत और दुर्लभ

किस्मों के लगभग 400 पौधे लगाए हैं। बाग में इस समय 100 ग्राम से लेकर पांच किलोग्राम तक वजन वाले आम फल रहे हैं। यहां दुनिया के सबसे महंगे आमों में गिने जाने वाले जापान के मियाजाकी समेत कियो सेतो, रेड आइवरी, ब्लू किंग, एप्पल मिंगो और ताइवानी रेड जैसी विदेशी किस्में भी सफलतापूर्वक फल दे रही हैं।

अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने व उनके दो अन्य भाइयों ने अपने पिता रमेश सिंह बबू के मार्गदर्शन में अपनी बंजर पड़ी जमीन पर आम का बाग लगाने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने लगातार हरी खाद ढैंचा की बुआई की तथा देशी खाद का उपयोग कर मिट्टी की सेहत में सुधार किया।

सम्पादकीय

तेहरान सरकार में दहशत का खुलासा

ईरान के मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई की अंत्येष्टि के लिए दुनिया के कई बड़े नेताओं को आमन्त्रित करके तेहरान ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह अपने नेता को कितना अधिक सम्मान करते हैं किन्तु जर्मनी के मीडिया हाउस डाइ वेल्ट ने खुफिया एजेंसी रिपोर्ट के हवाले से दावा किया है कि तेहरान सरकार इस बात को लेकर दहशत में है कि यदि इस मौके पर इजरायल और अमेरिका ने हमला कर दिया तो कम से कम 1500 और ज्यादा से ज्यादा 3000 लोगों के मारे जाने की आशंका है। इसीलिए इस 6 दिवसीय कार्यक्रम में सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई भी शामिल नहीं हो रहे हैं और तेहरान सरकार ने शवों को गिनने तथा दफनाने की पहले से ही व्यवस्था कर ली है।

दरअसल ईरान को हर बार अमेरिका और इजरायल ने थोखा दिया है। फरवरी में भी तेहरान से कहा गया कि उसके साथ समझौता होगा और हुआ क्या। उसके शीर्ष राजनेताओं, सैन्य अधिकारियों, परमाणु वैज्ञानिकों को उड़ा दिया गया। पहले भी जब कभी ईरान के साथ मीटिंग की बात की गई, तो या तो तेहरान पर कड़ी शर्तें लगा दी गई अथवा उनके नेताओं, सैन्य अधिकारियों या फिर वैज्ञानिकों को निशाना बनाया गया। यही कारण है कि तेहरान में इस बात का खौफ है कि यदि अमेरिका का भरोसा कर भी लिया जाए तो इजरायल पर विश्वास करना उचित नहीं होगा।

सच तो यह है कि इजरायल भारत का उतना ही अभिन्न मित्र है जितना कि आज की तारीख में रूस है। किन्तु रूस के साथ भारत का सम्बन्ध ऐसा है कि वह मात्र अपने हितों के लिए अपने मित्रों के हितों के साथ खिलवाड़ नहीं करता। किन्तु इजरायल ने ईरान के खिलाफ जो धुंआधार हमले किए और उसकी प्रतिब्रिया में ईरान ने जो हमले किए उससे सबसे ज्यादा तबाही का शिकार भारतीय अर्थव्यवस्था हुई। हमारी आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत से नीचे पहुंच गई। इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार नादान दोस्त इजरायल ही है।

बहरहाल इजरायल को लगता है कि जब तक ईरान का अस्तित्व रहेगा तब तक उसके अस्तित्व को चुनौती मिलती रहेगी। यही कारण है कि इजरायल, ईरान के नेतृत्व को खत्म कर देना चाहता है। इसके लिए ईरान का नेतृत्व भी कम जिम्मेदार नहीं है। ईरान के नेताओं ने कई बार यह दुहराया है कि यहूदियों को तो जिन्दा रहने का अधिकार ही नहीं है। ईरान के नेताओं की इसी धमकी को दुनिया भर के यहूदियों ने मुद्दा बना लिया।

अमेरिका के जितने भी सम्पन्न यहूदी हैं वे सभी वाशिंगटन डीसी को इस बात की धमकी देते हैं कि यदि ईरान की वजह इजरायल को कोई खतरा हुआ तो वे अमेरिका सरकार को किसी तरह का सहयोग नहीं करेंगे। यही नहीं अमेरिका की दोनों ही पार्टियां यहूदियों के मुदे पर इजरायल के साथ खड़ी रहती हैं। किन्तु सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि 9 करोड़ की जनसंख्या वाला देश ईरान को गाजा की तरह खत्म तो नहीं किया जा सकता। मतलब यह कि न तो इजरायल को दुनिया के मानचित्र से हटايا जा सकता है और न ही ईरान के लोगों को फारस की खाड़ी में मार कर डाला जा सकता है किन्तु दोनों एक-दूसरे के देशवासियों में खौफ पैदा करने की कोशिश करते रहते हैं। सधियों और समझौतों के बावजूद इजरायल और इराक एक-दूसरे को शत्रु समझते हैं और हमले की रणनीति बनाते रहते हैं। ईरान यदि अपने सुप्रीम नेता रहे अयातुल्ला खामेनेई के अंत्येष्टि के मौके पर इजरायल के हमले से सजग है तो यह उसकी स्वाभाविक भय का परिणाम है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा कोलकाता में भारत केसरी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर आयोजित करेगा एक विशेष स्मरणीय कार्यक्रम

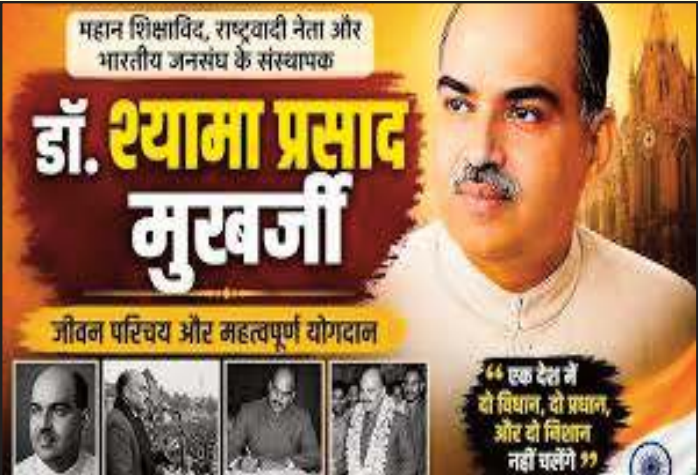
(जीएनएस)। संस्कृति मंत्रालय, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से, कल (6 जुलाई 2026) कोलकाता के मिलन मेला प्रांगण में एक विशेष स्मारक कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम 'भारत केसरी' डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के दो वर्षीय आधिकारिक उत्सव के अंग के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री श्री सुर्वेन्दु अधिकारी, पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव श्री मनोज अग्रवाल, संस्कृति मंत्रालय के सचिव श्री विवेक अग्रवाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

संस्कृति मंत्रालय ने साल 2025 में 'भारत केसरी' डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर दो साल के राष्ट्रव्यापी उत्सव की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य इस दूरदर्शी राजनेता, शिक्षाविद, सांसद और राष्ट्रवादी नेता की स्थायी विरासत को सम्मान देना है, जिनके योगदान ने भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और औद्योगिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया।

दिन के कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्री अमित शाह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा भवानी गुफा, कोलकाता में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के निवास स्थान पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ होगी। इसके बाद, मुख्य अतिथि इको पार्क का दौरा करेंगे, जहाँ वे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रस्तावित 125 फीट ऊंची प्रतिमा का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। यह राष्ट्र के प्रति उनके स्थायी योगदान को सम्मान देने की एक ऐतिहासिक पहल है।

मिलन मेला प्रांगण में डॉ. श्यामा



प्रसाद मुखर्जी के जीवन और विरासत को समर्पित एक विशेष प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया जाएगा। दुर्लभ तस्वीरों, अभिलेखीय दस्तावेजों और व्यापक मल्टीमीडिया डिस्प्ले के माध्यम से, यह प्रदर्शनी उनकी व्यक्तिगत यात्रा, वैचारिक दृष्टिकोण, शैक्षिक सुधारों और भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों व औद्योगिक विकास को मजबूत करने में उनकी अनूठी भूमिका को दर्शाएगी।

मिलन मेला प्रांगण में आयोजित स्मारक कार्यक्रम में सामूहिक वंदे मातरम गान होगा, जिसके बाद सीसीआरटी द्वारा "सुर, संस्कृति एवं राष्ट्र" शीर्षक से एक भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रस्तुति में भारतीय शास्त्रीय, लोक और पारंपरिक संगीत की विभिन्न धाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले 57 कुशल कलाकार शामिल होंगे, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और एकता की भावना को प्रदर्शित करेंगे। एक संगीतमय कथा के रूप में परिकल्पित यह कार्यक्रम, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय एकीकरण, शिक्षा और सभ्यतागत मूल्यों के प्रति डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के स्थायी आदर्शों का उत्सव मनाता है। इस संगीत समूह का निर्देशन पद्मश्री तरुण भट्टाचार्य द्वारा किया गया है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और योगदान

पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने ली चाय की चुस्की, की आगामी चुनाव पर चर्चा

(जीएनएस)।

लखनऊ: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन अपने दो दिवसीय लखनऊ दौरे पर हैं. दूसरे दिन रविवार को उन्होंने अपने दिन की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ चाय पर चर्चा से शुरू की. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों की मेहनत को सराहा. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों से आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के परिप्रेक्ष्य में कई सारी अहम जानकारीयां हासिल कीं. 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव के लिए उन्होंने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ रणनीति बनाई. इस मौके पर उनके साथ प्रभारी बीएल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह भी मौजूद रहे.

नितिन नबीन ने पार्टी कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान में उत्तर प्रदेश सरकार में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वर्तमान कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान में कैबिनेट मंत्री सुर्य प्रताप शाही, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई मौजूद रहे.

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश के सभी पूर्व अध्यक्षों से बात



साथ ही किस तरह की रणनीति पर काम करना है, इसके बारे में भी विमर्श किया. सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने अपने-अपने कार्यकाल के दौरान जो भी रणनीति अपनाई, उसके बारे में भी बात की. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्षों को वर्तमान टीम के साथ एकजुट होकर काम करने और एक बार फिर 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए पुरजोर तरीके से जुटने का आ'न किया.

इस मीटिंग के बाद लखनऊ के एक बड़े होटल में एनडीए के सहयोगी दलों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन

नबीन मीटिंग करने पहुंचे. यहां पर उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष पंकज



चौधरी मौजूद रहे. बीजेपी के सहयोगी दलों में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, अपना दल (सोनेलाल) की तरफ से कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल और राष्ट्रीय लोक दल की तरफ से महासचिव त्रिलोक त्यागी इस मीटिंग में मौजूद रहे. भारतीय जनता पार्टी की तरफ से कई अन्य नेता भी मीटिंग में पहुंचे.

इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सभी सहयोगी दलों के नेताओं से बात की. उन्होंने कहा कि

जिस तरह की एकजुटता अभी तक

आगामी विधानसभा चुनाव में भी बरकरार रहेगी. सीटों को लेकर भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सहयोगी दलों के नेताओं की चर्चा हुई. इस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने भरोसा दिया कि भारतीय जनता पार्टी किसी भी सहयोगी दल के साथ अन्याय नहीं होने देगी. सभी को उनके हिस्से की सीटें जरूर मिलेंगी. राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि 2027 में भी हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश में मजबूत सरकार बनाएंगे.

दूसरी ओर सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सभी सहयोगी दलों से अलग-अलग मुलाकात कर रहे हैं

प्रशासनिक पकड़, कठिन दिनचर्या और हिंदुत्व के साथ-साथ विकास

54 के सीएम योगी... 27 की जंग, राम नाम पर लड़ाई भीषण, क्या सपाईं पीडीए का चक्रव्यूह तोड़ पाएगी बीजेपी ?

गौरव को ढाल बनाकर वह लगातार

मैदान में डटे हुए हैं. बीजेपी के



भीतर-बाहर हर जगह उनको चैलेंज करने वाला कोई नेता इस समय नहीं है. भाजपा यूपी चुनाव में एक बार फिर से सीएम योगी के चेहरे के साथ ही उतर रही है, यह राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिनों के लखनऊ दौरे से पता चल गया है. लेकिन इस बार उनके सामने समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव का सोशल इंजीनियरिंग का वह चक्रव्यूह है, जिसने हालिया दिनों में भाजपा को कड़ी टक्कर दी है.

उत्तर प्रदेश में लगातार दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार चलाकर इतिहास रचने वाले योगी आदित्यनाथ भाजपा के सबसे बड़े यूथ आइकॉन और फायरब्रांड नेता हैं. 54 वर्ष की उम्र में उनकी

का कॉम्बिनेशन उन्हें पार्टी में सबसे ख़ास बनाता है. बीजेपी के केंद्र में उनके रहने की तीन मुख्य वजहें हैं पहला, 'बुलडोजर मॉडल' और अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति ने पूरे देश में योगी की एक अलग पहचान बनाई है. अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद से हिंदुत्व के एजेंडे को जमीन पर उतारने का श्रेय सीधे योगी आदित्यनाथ के खाते में जाता है. राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के लखनऊ दौरे के दौरान यह साफ हो गया कि संगठन और सरकार के बीच समन्वय की धुरी केवल और केवल सीएम योगी ही हैं.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सूवे की राजनीति को 'मंडल बनाम कमंडल' के पुराने दौर की तरह एक

अल्पसंख्यक का नाम दिया है. हाल के लोकसभा चुनावों में इस फॉर्मूल ने बीजेपी को तगड़ा नुकसान पहुंचाया था. अखिलेश लगातार जातीय जनगणना का मुद्दा उठाकर गैर-यादव पिछड़ों और दलितों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रहे हैं. स्थानीय मुद्दों पर घेराबंदी जैसे पेपर लीक, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों को उठाकर सपा युवाओं को सीधे साध रही है.

उत्तर प्रदेश में राम मंदिर निर्माण और सनातन संस्कृति का मुद्दा हमेशा से भाजपा का सबसे मजबूत आधार रहा है. 2027 के चुनाव में भी भाजपा 'राम का नाम' लेकर राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक अस्मिता के एजेंडे को धार दे रही है. लेकिन इस बार लड़ाई इसलिए भीषण है

कार्यकर्ता है. कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता जातिवाद, क्षेत्रवाद, व्यक्तिवाद और वंशवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद की भावना के साथ काम करता है.

बता दें कि, इससे पहले शनिवार को देश की राजधानी नई दिल्ली से उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन रवाना हुए. लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उनके स्वागत कार्यक्रम का दौर शुरू हो गया. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम समेत तमाम माफियाराज, दंगों और वंशवादी नेता स्वागत के लिए पहुंचे. बीजेपी कार्यालय तक पहुंचने उन्हें कई घंटे लग गए. सड़कों पर भाजपा कार्यकर्ताओं का हजूम उमड़ पड़ा. बीजेपी कार्यालय पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत हुआ. यहां पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सांसदों और विधायकों के साथ बैठक कर यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की. इसके बाद देर शाम लखनऊ की एक मशहूर चाय की दुकान पर भाजपा नेताओं के साथ चाय और बन मस्का का भी स्वाद लेने पहुंचे. शाम के उन्होंने मशहूर इतिहासकार डॉ.विद्या बिंदु सिंह के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की. मुख्यमंत्री आवास पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की.

क्योंकि सपा इस धार्मिक ध्रुवीकरण को 'सामाजिक न्याय' और 'हक-अधिकार' की लड़ाई से काटना चाहती है. हाल ही में अयोध्या कांड यानी चंदा चोरी का मामला विपक्ष

खसाकर सपा और अखिलेश यादव पूरे जोर- शोर से उठा रहे हैं. ऐसे में 54 साल के योगी आदित्यनाथ के लिए 2027 की जंग उनके राजनीतिक करियर की सबसे बड़ी परीक्षा है. अगर वे अखिलेश यादव के इस चक्रव्यूह को भेदने में सफल रहते हैं, तो न केवल उत्तर प्रदेश में भाजपा की हैदिक लगेगी, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उनका कद बेहद मजबूत हो जाएगा.'

बीजेपी इस बार किसी भी स्तर पर अति-आत्मविश्वास में नहीं दिख रही है.

बीजेपी इस बार किसी भी स्तर पर अति-आत्मविश्वास में नहीं दिख रही है. नितिन नवीन के हालिया दौरों और मैराथन बैठकों से साफ है कि भाजपा अपने 'बृथ प्रबंधन' और 'शक्ति केंद्रों' की नए सिरे से एंक्टिवेट कर रही है. योगी आदित्यनाथ का सीधा मुकाबला अब अखिलेश के जमीनी समीकरणों से है. बीजेपी जहां 'राम नाम' और राष्ट्रवाद के सहारे बंटे हुए हिंदू वोटों को एक छत्र के नीचे लाने का प्रयास करेगी, वहीं अखिलेश यादव दलित-पिछड़ा गठजोड़ को टूटने से बचाने की कोशिश करेंगे. देखना दिलचस्प होगा कि 54 साल के संन्यासी का 'सिवासी प्रताप' 2027 की इस भीषण जंग में विपक्ष के चक्रव्यूह को कैसे नेस्तनाबूद करता है.

प्रमुखों की बैठक

सूचनाओं के आदान-प्रदान, प्रीकर्सर रसायनों एवं फार्मास्यूटिकल की बेहतर निगरानी, खुफिया जानकारी के सझ उपयोग, श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के माध्यम से सहयोग को और सुदृढ़ करने का प्रयास करेगा। उभरती चुनौतियों पर विषयगत सत्र

दो दिवसीय बैठक के दौरान सदस्य देश अपने-अपने देशों में मादक पदार्थों की वर्तमान स्थिति पर विचार-विमर्श करेंगे तथा वैश्विक स्तर पर उभरती चुनौतियों पर आधारित छह विषयगत सत्रों में भाग लेंगे। इन सत्रों के प्रमुख विषय होंगे—

मादक पदार्थों की तस्करी की वास्तविक समय (Real-Time) में रोकथाम के लिये डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग

डार्कनेट के माध्यम से होने वाली मादक पदार्थ तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण

उभरते न्यू साइकोएक्टिव

सब्सटेंस (NPS) से निपटने की

रणनीति

लखनऊ में कलाकार-साहित्यकारों के बीच पहुंचे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, बोले-शासन को भी दें अपना परामर्श

नितिन नवीन ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं पंचवर्षीय नहीं हैं। हमारी योजनाएं अब 20-25 वर्षों के लिए बनती हैं। (जीएनएस)।

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को रविवार को अपने बीच पाकर साहित्यकार-कलाकार आर्दित थे। प्रसन्नता का यह भाव इसलिए भी था कि देश की सबसे बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उनके घर आए थे। नाश्ता कर रहे थे और सम्मान भी।

नितिन नवीन रविवार सुबह 11:30 बजे गोखले मार्ग स्थित विद्या विंदु सिंह के आवास पर पहुंचे। विद्या विंदु ने उन्हें फरा व दही-जलेबी खिलाई। इसके बाद नितिन ने साहित्यकारों और कलाकारों से संवाद किया। नितिन ने औपचारिकताओं की बजाए सहृदयता दिखाई और एक दिन पूर्व निर्धारित इस कार्यक्रम में न आ पाने पर माफ़ी मांगी तो संस्कृतिकर्मियों ने मुस्कुराकर उनका अभिवादन किया।

पद्मश्री से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार विद्या विंदु सिंह ने राजनेताओं को कलाकारों और साहित्यकारों के पास जाने का सुझाव दिया। इस पर नितिन ने सहमति व्यक्त

की। उन्होंने कहा कि कलाकारों व साहित्यकारों को शिक्षा, समाजसेवा सहित अन्य कार्यों के लिए शासन को सुझाव देना चाहिए। संवाद के दौरान घर में बने फरे को खाया तो विद्या विंदु सिंह ने हाथ से दही जलेबी को भी



खिलाया।

नितिन नवीन ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं पंचवर्षीय नहीं हैं। हमारी योजनाएं अब 20-25 वर्षों के लिए बनती हैं। 17 मिनट की बातचीत में उन्होंने लखनऊ की समृद्ध कला-संस्कृति और खान-पान के बारे में भी बात की। लोक एवं उपशास्त्रीय गायिका मालिनी अवस्थी ने कहा कि जिस प्रदेश में अवधी, ब्रज, भोजपुरी व बुंदेली बोली जाती है, वहां लोग लोक कला से भागते थे, अपना नाम नहीं

जोड़ना चाहते थे। वे अब लोक गायक या लोक गायिका लिखने लगे हैं।

इस सरकार ने लोक कलाकारों के सम्मान और स्वाभिमान के लिए काम किया है। पद्म पुरस्कारों के लिए बहुत काम किया। आजादी के बाद शायद

इतना बड़ा काम हुआ, वरना हम सब नुमाइश की तरह उपयोग किए जाते थे। यह सुनकर नितिन नवीन मुस्कुराने लगे। दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रमुख आत्मप्रकाश मिश्र ने कहा कि सरकार संस्कृतिकर्मियों, साहित्यकारों का सम्मान करे और उनके घर जाए, इससे बड़ा और कुछ नहीं हो सकता। इस पर नितिन नवीन ने कहा कि हमारा यही प्रयास है कि सबका साथ, सबका विकास के साथ सबका विश्वास हो।

इससे पहले विद्या विंदु सिंह, मालिनी अवस्थी व आत्म प्रकाश मिश्र ने नितिन नवीन का अभिनंदन किया। नितिन ने भी साहित्यकारों व संस्कृतिकर्मियों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह, पूर्व डीजीपी विजय कुमार, वरिष्ठ नृत्यंगना पूर्णिमा पांडेय, एएन सिंह, मीडिया प्रभारी अनुराग साहू आदि उपस्थित रहे।

जलेबी दही और फरा भी खाया
वरिष्ठ साहित्यकार विद्या विंदु सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को भारतीय व्यंजन दही-जलेबी और फरा ही खिलाया। फरा उठाकर उन्होंने खुद खाया, जबकि दही जलेबी विद्या विंदु ने अपने हाथों से खिलाया। हालांकि दही बड़ा और पोहा भी बनवाया गया था। वहां इस बात की चर्चा रही कि नितिन नवीन बिहार के हैं और फरा बिहार में प्रचलित व्यंजन है, जबकि दही-जलेबी लखनऊ का लोकप्रिय नाश्ता है। इसलिए दोनों को जोड़कर नितिन नवीन का नाश्ता चुना गया। हालांकि विद्या विंदु सिंह का कहना था कि हम भारतीय, इसलिए व्यंजन भी भारतीय खिलाया। उन्होंने फरा और दही जलेबी को खिलाने का कोई खास कारण नहीं माना।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उतरने का तैयारी में लोक जनशक्ति पार्टी, लखनऊ में चिराग पासवान ने पेश किया दावा

लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस तो भाई से भाई को लड़ाने का काम करते हैं

पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान की जयंती पर लखनऊ में नव संकल्प सभा
चिराग पासवान ने किया दावा-मेरे रहते कोई समाप्त नहीं कर सकता आरक्षण और संविधान
सपा और कांग्रेस पर हमला, बोले-इनकी नीति ही भाई को भाई से लड़वाने की रही (जीएनएस)।

लखनऊ। एनडीए के एक और सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। पार्टी के संस्थापक राम विलास पासवान की जयंती पर लखनऊ में नव संकल्प सभा में पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित नव संकल्प सभा में 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया।

बिहार के हाजीपुर से लोकसभा के सदस्य और नरेन्द्र मोदी सरकार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बड़े पैमाने पर कार्यकर्ताओं की उपस्थिति दर्ज कराकर पार्टी ने भी अपना दावा पेश किया। चिराग पासवान ने कहा कि आज का दिन हम सबको प्रेरणा देता है, वहीं आज का दिन मेरे लिए भावनाओं से भरा होता है। कई यादें जेहन में कौंधती हैं। स्कूल ले जाना। राजनीति में उंगली पकड़कर चलना। जिन सपनों को वो अधूरा छोड़कर गए, उनका अंश होने के नाते मेरी जिम्मेदारी उनके हर सपने को पूरा करूं।

नव संकल्प सभा में किया बड़ा दावा
चिराग पासवान ने नव संकल्प सभा में दावा किया कि मेरे रहते आरक्षण और संविधान को कोई भी समाप्त नहीं कर सकता है। मैं आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं जो लोग बात बात पर आरक्षण और संविधान को समाप्त करने की बात करते हैं, चिराग पासवान के होते हुए कोई खतरा नहीं। खतरा उनके मंसूबों को है। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसा उत्तर प्रदेश दूंगा, जो जात-पांत से दूर रहे। यह अकेले नहीं कर पाऊंगा। इसमें मुझे आप सबका साथ चाहिए।

भाई से भाई को लड़ाने हैं सपा-कांग्रेस

लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस तो भाई से भाई को लड़ाने का काम करते हैं,



ये लोग युवाओं को एकजुट कैसे कर पाएंगे। सपा-कांग्रेस ने यहां भाई को भाई से लड़वाने का काम किया। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम एकता के सूत्र में बांधेंगे। लोगों को भ्रमित किया जाता है। यह लोग तो आज भी अनुसूचित जाति के साथ भेदभाव करते हैं। खतरा उनकी राजनीति को है जो भाई को भाई से लड़वाना चाहते हैं। सपा और कांग्रेस की नीति ही भाई को भाई से लड़वाने की रही। जाति और संप्रदाय को लेकर लदवाकर रोटियां सेकते हैं। सपा और कांग्रेस ने हमारे समाज के साथ विश्वासघात किया। ऐसे लोगों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने का समय है।

बेहतर शिक्षा और बेहतर रोजगार मिले

उन्होंने कहा कि न हम हमारी विरासत पर कोई आंच आने देंगे और न ही बच्चों के भविष्य को।

बेहतर शिक्षा और बेहतर रोजगार मिले, उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। हमको एकजुट होकर विकास की राह पर आगे बढ़ने का काम करने की जरूरत है। हमारी पिछली पीढ़ी ने बहुत संघर्ष किया है। आने वाली



पीढ़ी के लिए आज संघर्ष करना होगा।

पिता राम विलास पासवान को किया याद

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के साथ मेरे पिता का अटूट रिश्ता रहा है। इसी कारण आज उनकी जयंती पर अपनी पार्टी से आपके बीच अपनी पहुंचा। उन्होंने कहा कि मेरे पिता से उत्तर प्रदेश के लिए जितना बन पाया उन्होंने करने का प्रयास किया। अभी तो एक लंबा सफर तय करना बाकी है। आज आप सबका आशीर्वाद लेने आया हूं। हमारा प्रयास है कि ऐसे समाज के निर्माण की शुरुआत कर सकें, जिसकी कल्पना हमारे नेता ने की थी। एक समान भागीदारी, समान अवसर मिले।

विचारों व सिद्धांतों से भरा था पूरा जीवन

चिराग पासवान ने कहा कि राम

विलास पासवान एक व्यक्ति का नाम नहीं था। पासवान जी का पूरा जीवन विचारों और सिद्धांतों से भरा हुआ था। उनको देश में छह-छह प्रधानमंत्री के साथ काम करने का मौका मिला। वह नौ बार लोकसभा सदस्य बने। उनका तो गिनीज बुक में नाम दर्ज है। उन्होंने लोकसभा चुनाव सबसे अधिक मार्जिन से जीतने का रिकार्ड बनाया।

राम विलास पासवान जी ने सबसे पहले ऊंची जाति के लिए भी आरक्षण की मांग की। केंद्र सरकार में मंत्री ने कहा कि किसी समय मोबाइल फोन अमीरों की जागीर मानी जाती थी। एक दौर था इनकमिंग के लिए भी रुपये देने पड़ते थे। उस वक्त मेरे नेता ने कहा था एक दिन ऐसा मोबाइल लाऊंगा जो बैंगन के भाव बिकेगा, सबके हाथ में होगा। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को पासवान जी के बारे में जानना जरूरी है। उनके जाने के बाद मैं उनके काम और विचारों को आगे बढ़ाने का काम करूंगा। मेरी पार्टी में हर कार्यकर्ता प्रयासरत रहता है कि कैसे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चले।

चिराग पासवान पहली बार 2014 लोकसभा चुनाव में बिहार के जमुई सीट से जीते थे। चिराग पासवान ने 2019 के लोकसभा चुनाव में इसी सीट से जीत दर्ज की और दूसरी बार लोक सभा के सांसद बने। 2024 में पिता रामविलास पासवान की कर्मभूमि हाजीपुर से लोकसभा का चुनाव लड़े और केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बने। 2010 से 2011 तक चिराग पासवान ने तीन हिंदी फिल्मों में बतौर अभिनेता काम किया। 'मिले ना मिले हम' और 'वन एंड ओनली' जैसी फिल्मों में अभिनेता रहे।

'भारत संविधान से चलेगा, किसी धर्म विशेष से नहीं', संभल में सीएम योगी के बयान पर जियाउर्रहमान बर्क का पलटवार

सीएम योगी आदित्यनाथ के 'रामराज' बयान पर संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत किसी धर्म विशेष का नहीं, बल्कि संविधान का देश है। (जीएनएस)।

संभल: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'रामराज' संबंधी बयान को लेकर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसी एक धर्म विशेष का नहीं, बल्कि संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का देश है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को अपने वक्तव्यों में संवैधानिक मयार्द का ध्यान रखना चाहिए।

बर्क ने कहा कि भारत महात्मा गांधी, बाबा साहब डॉ. भीमराव

अंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और खान अब्दुल गफ्फार खान जैसे महान नेताओं के विचारों से निर्मित राष्ट्र है। यहां किसी धर्म विशेष का



शासन नहीं, बल्कि संविधान सर्वोपरि है।

कुंदरकी उपचुनाव पर लगाए गंभीर आरोप

सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कुंदरकी उपचुनाव का जिक्र करते हुए सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया कि वहां लोकतांत्रिक चुनाव नहीं, बल्कि "सिलेक्शन" कराया गया। उनका दावा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता बेरोजगारी,

महंगाई और विकास जैसे मुद्दों पर मतदान करेगी और समाजवादी पार्टी को पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में लाएगी।

'साइकिल की हवा नहीं निकली, फैसला जनता करेगी'
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

उस बयान पर भी बर्क ने पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि समाजवादी पार्टी की साइकिल की हवा निकल चुकी है। इस पर सांसद ने कहा कि यह मुख्यमंत्री की व्यक्तिगत राय हो सकती है, लेकिन लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है। चुनाव परिणाम ही तय करेंगे कि किसकी राजनीतिक स्थिति मजबूत है।

राम मंदिर चंदा विवाद पर क्या बोले बर्क?
राम मंदिर में चंदा गड़बड़ी के सवाल पर बर्क ने कहा कि वह दूसरे धर्म के मामलों में टिप्पणी नहीं करना चाहते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रद्धालुओं के दान में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो सरकार को निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उनका कहना था कि यदि पारदर्शिता नहीं बरती गई तो इसका असर आगामी चुनावों में देखने को मिल सकता है।

सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर मैंगो पार्टी, भाजपा अध्यक्ष व सीएम योगी सहित सभी वरिष्ठ नेता ने उठाया आनंद

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के सरकारी आवास पर मैंगो पार्टी आयोजित की गई यहां भरपूर सियासी जमघट भी बताया जा



रहा है। संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल पर मंथन हुआ। इस मौके पर एक दशक में पहली बार एक साथ दिखे भाजपा के दिग्गज, सरकार और संगठन एक साथ (जीएनएस)।

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिन के लखनऊ दौरे पर दूसरे दिन रविवार दोपहर में राजभवन कालोनी पहुंचे। यहां पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

के सरकारी आवास पर मैंगो पार्टी आयोजित की गई थी। उनके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, भाजपा के

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ अन्य नेताओं ने चारपाई पर बैठकर रसीले आम का स्वाद लिया। सभी



नेताओं ने अनौपचारिक माहौल में आम का स्वाद लिया। इसे संगठन और सरकार के शीर्ष नेतृत्व के बीच समन्वय के संदेश के रूप में भी देखा गया।

डिप्टी सीएम पाठक के आवास पर चारपाई पर बैठकर सभी ने आम की दावत का लुत्फ उठाया। एक दशक में पहली बार भाजपा के दिग्गजों को एक साथ एक स्थान देखा गया। भाजपा के सरकार और संगठन के दिग्गजों ने एक साथ मैंगो पार्टी की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, सीएम योगी आदित्यनाथ,

ध्वस्त होंगे : नितिन नवीन
नितिन नवीन ने इस दौरान दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा 2027 में पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ते हुए लगातार तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा और एनडीए के सभी सहयोगी उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण से विवेकानंद तक, महानाट्य ने दिया कर्म और राष्ट्रभक्ति का संदेश



महानाट्य ने दिया कर्म और राष्ट्रभक्ति का संदेश
(जीएनएस)।

लखनऊ। कभी नटखट कान्हा की माखन चोरी पर मुस्कान बिखरी, तो अगले ही पल कुरुक्षेत्र में गीता का अमर संदेश गूंज उठा। अंत में स्वामी विवेकानंद के प्रेरक विचारों ने पूरा माहौल राष्ट्रभक्ति से भर दिया। भारतेंदु नाट्य अकादमी के राज



बिसारिया प्रेक्षागृह में रविवार की शाम मंचित महानाट्य "कर्मण्येवाधिकारस्तेः मुरली से मातृभूमि तक" ने दर्शकों को अध्यात्म, संस्कृति और देशभक्ति की अनोखी यात्रा कराई।

ग्रीष्मकालीन बाल रंग कार्यशाला के समापन पर गुजरात के रंगनिर्देशक वॉल्टर पीटर के निर्देशन और डॉ. सुमित श्रीवास्तव के

संयोजन में 100 से अधिक बच्चों ने शानदार अभिनय किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। नाटक में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, कंस वध और अर्जुन को द्रुपद की प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। 11 कृष्ण और 11 राधा की मनोहारी प्रस्तुति विशेष आकर्षण

रही। स्वामी विवेकानंद के चरित्र ने यह संदेश दिया कि गीता की सीख आज भी समाज और राष्ट्र को सही दिशा देती है। अर्जुन की भूमिका श्री श्रीवास्तव, दुआ अजीम, दानिया अजीम, मंजरी चंद्रा, आद्या शुक्ला, दिविजा पाहवा, अवनी, एलेक्स किशिनोई और यथार्थ सिंह कारकी ने निभाई।

12 जुलाई को बनेगा नया इतिहास, एक दिन में 35 करोड़ पौधे लगाएगी योगी सरकार

(जीएनएस)।
लखनऊ। योगी सरकार 12 जुलाई (रविवार) को फिर नया इतिहास रचेगी। पौधरोपण महाभियान-2026 के तहत जनसहभागिता से पूरे प्रदेश में एक दिन में 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे। इसके लिए नोडल (वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग) ने तैयारी शुरू कर दी है। अभियान की सफलता के लिए मुख्यमंत्री सोमवार से जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे और अधिकारियों की भी निरंतर बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। वहीं वन मंत्री भी अन्य विभागों के मंत्रियों के साथ बैठक कर इसकी सफलता को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।

जनसहभागिता से फिर होगा अभूतपूर्व आयोजन
मुख्यमंत्री के निर्देश पर केंद्र-

प्रदेश सरकार के विभागों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्कूलों-कॉलेजों समेत व्यापक जनसहभागिता से उत्सव के रूप में महाभियान चलेगा। व्यापक जनसहभागिता के साथ ही केंद्र व प्रदेश सरकार के विभाग मिलकर इस वर्ष 35 करोड़ पौधरोपण करेंगे।

वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग लगाएगा सर्वाधिक 15.50 करोड़ पौधे
वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग सर्वाधिक 15.50 करोड़ पौधरोपण करेगा। ग्राम्य विकास विभाग 10 करोड़, कृषि विभाग 3.25 करोड़, उद्यान 1.50 करोड़, पंचायत राज विभाग 1.22 करोड़ पौधे लगाएगा। गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे भी 5.50 लाख पौधे लगेंगे। नोडल विभाग (वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन) होगा। इसे लेकर जिला

वृक्षारोपण समिति की नियमित बैठकें भी चल रही हैं।

कई विशिष्ट वनों की होगी शुरुआत

योगी सरकार प्रत्येक वर्ष नवीन विशिष्ट वन स्थापित करती है। इस थीम के अंतर्गत पौधरोपण महाभियान-2026 में इस वर्ष समस्त वन, समृद्धि वन, कृषि वन, ऊर्जा वन, कपि वन समेत अनेक नवीन वन तैयार किए जाएंगे। महर्षि चरक औषधि वन की शुरुआत 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) पर की गई है। अभियान का प्रमुख हिस्सा मिशन छाया, अविरल धारा पौधरोपण, सहजन भंडारा, आम भंडारा भी होगा। मिशन छाया के तहत गर्मी से राहत देने के लिए सड़क किनारे व सार्वजनिक स्थलों पर छायादार पौधे भी लगाए जाएंगे। इसके अलावा 15 अगस्त को वंदे मातरम वाटिका, 28



52.44 करोड़ पौधे कराए जा रहे तैयार

वृहद पौधरोपण के लिए वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग

निरंतर बैठक व संवाद स्थापित कर रहा है। इसके साथ ही पौधों को लेकर भी विभाग की तैयारी चल रही है। वन विभाग की लगभग दो हजार नर्सरी में



इस वर्ष 52.44 करोड़ पौधे तैयार किए गए हैं। इन पौधों को भी अब वितरित किया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे

लगेंगे 5.50 लाख पौधे
प्रदेश के एक्सप्रेसवे के किनारे भी पौधरोपण किया जाएगा। इस बार विशेष रूप से गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे पौधे लगाए जाएंगे। 594 किमी. लंबे गंगा एक्सप्रेसवे की दोनों पटरियों पर वन विभाग 500 हेक्टेयर क्षेत्र में 5.50 लाख पौधरोपण करेगा। दोनों पटरी पर हर एक किमी. पर हरिशंकर रोपा जाएगा, जबकि बीच-बीच में पीपल, पाकड़, बरगद, नीम, गुलर, महुआ, आम, अर्जुन, चिलबिल, अमलतास, कचनार, जकरकंडा, गुलमोहर आदि प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनकी सुरक्षा के लिए तार से फेंसिंग व सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री का निर्देश-
जनसहभागिता से मनाया जाए उत्सव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पौधरोपण महाभियान-2026 की तैयारी को लेकर निरंतर बैठक करेंगे। वहीं वन मंत्री अन्य विभागों के मंत्रियों, अधिकारियों के साथ ही इसकी सफलता को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। मुख्यमंत्री ने जनसहभागिता पर विशेष जोर देते हुए इसे उत्सव के रूप में मनाने का निर्देश दिया है। सीएम योगी ने महाभियान में सभी जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, युवक-महिला मंगल दल, रोटरी-लार्यस, इको क्लब, एफपीओ, व्यापार मंडल आदि की भी सहभागिता अनिवार्य रूप से करने के लिए वन विभाग को निर्देश दिया है। कृषि विभाग की देखरेख में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पंजीकृत किसान भी महाभियान का हिस्सा बनेंगे।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में 18 साल बाद फिर शुरू होंगे डीलिट, डीएससी और एलएलडी कोर्स में एडमिशन, ऐसे करें आवेदन

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय करीब 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद डाक्टरेट ऑफ लेटर्स



(डी.लिट.), डाक्टरेट ऑफ साइंस (डी.एससी.) और डाक्टरेट ऑफ लॉज (एलएलडी) जैसे शीर्ष उच्च शैक्षणिक अनुसंधान पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को फिर शुरू करेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की विभिन्न सक्षम निकायों से 'ऑडिनेंस गवर्निंग द अवार्ड ऑफ द डिग्री ऑफ डी. लिट., डी.एससी. एंड एल.एल.डी. 2025' को पारित किया जा चुका है।

राजभवन से इस नए अध्यादेश को अंतिम औपचारिक मंजूरी मिलते

भारत उपभोक्ता संरक्षण पर अंकटाड के अंतरसरकारी विशेषज्ञ समूह के नौवें सत्र की अध्यक्षता करेगा

भारत उपभोक्ता संरक्षण पर वैश्विक विचार-विमर्श का नेतृत्व करेगा; संयुक्त राष्ट्र के उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा सिद्धांतों के शुभारंभ में भाग लेगा

(जीएनएस)।

भारत, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड) द्वारा 6 से 8 जुलाई 2026 तक स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित पैलेस डेस नेशन्स में आयोजित उपभोक्ता संरक्षण कानून और नीति पर अंतर-सरकारी विशेषज्ञ समूह (आईजीई) के नौवें सत्र की अध्यक्षता करेगा। इस सत्र में सदस्य देशों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरणों, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों को उपभोक्ता संरक्षण कानून और नीति में उभरते मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आएंगे।

संयुक्त राष्ट्र उपभोक्ता संरक्षण दिशानिर्देशों के तहत गठित अंतर-सरकारी विशेषज्ञ समूह (आईजीई) उपभोक्ता संरक्षण कानून और नीति पर सहयोग और संवाद के लिए प्रमुख

पायलट और डोटासरा बोले- प्रधानमंत्री मोदी से खेजड़ी बोलकर पीपल का पौधा किसने लगवाया ?

(जीएनएस)।

जयपुर: बालोतरा जिले के पचपदरा में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से रिफाइनरी के उद्घाटन के दौरान खेजड़ी का पौधा लगाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट होने के बाद कांग्रेस ने भाजपा और मोदी सरकार पर हमला बोला. कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री से खेजड़ी का बताकर पीपल का पौधा लगवा दिया गया. बाद में यह पोस्ट डिलीट कर दी गई.

पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा- हमेशा क्रेडिट लेने और गलत प्रोपेगेंडा में भाजपा का कोई सानी नहीं. पचपदरा रिफाइनरी, जिसे भाजपा अपनी उपलब्धि बता

गौतम अदाणी केस में बड़ा मोड़: अमेरिकी विभाग

(जीएनएस)।

अमेरिकी न्याय विभाग ने गौतम अदाणी के खिलाफ आपराधिक मामला वापस लेने के पीछे 'निवेशकों को नुकसान न होने' को सबसे बड़ी वजह बताया है। विभाग का तर्क है कि इस मामले से जुड़ी सिक्वोरिटीज खरीदने वाले किसी भी निवेशक को कोई वित्तीय घाटा नहीं हुआ है।

सभी आरोपों को खारिज करने के लिए अदालत में दाखिल अर्जी में उद्धृख ने कहा कि ये सिक्वोरिटीज दुनिया के सबसे अनुभवी और बड़े संस्थागत निवेशकों ने खरीदी थीं, जिन्हें बिना किसी रुकावट के उनका भुगतान मिलता रहा। न्याय विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आर. ट्रेंट मैकॉटर ने फाइलिंग में स्पष्ट किया, "इन

ही विश्वविद्यालय प्रवेश के लिए आधिकारिक अधिसूचना और पंजीकरण प्रक्रिया आरंभ की जाएगी।

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव



ने बताया कि डी.लिट. की उपाधि कला, शिक्षा, वाणिज्य, और ललित कला संकायों के लिए, डी.एससी.की उपाधि विज्ञान, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी व फार्मेसी संकायों तथा एल.एल.डी. की उपाधि विधि संकाय के शोधार्थियों को दी जाएगी।

प्रवेश के लिए अनिवार्य योग्यता और कड़े मानक

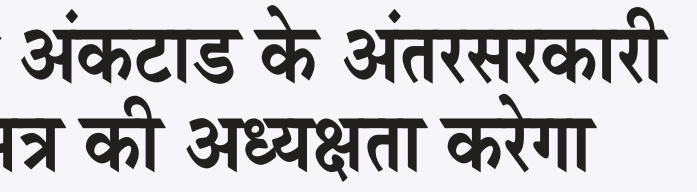
अध्यादेश 2025 के अनुसार, इन डिग्रियों में प्रवेश केवल उन्हीं मेधावी अभ्यर्थियों को दिया जाएगा, जिन्होंने

संबंधित विषय में उत्कृष्ट वैश्विक योगदान के साथ असाधारण अनुसंधान कार्य किया हो। अभ्यर्थी के पास किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय या यूजीसी से मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में पीएच.डी या उसके समकक्ष उपाधि होना अनिवार्य है।

पीएच.डी. उपाधि प्राप्त करने के बाद अभ्यर्थी के पास शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासन या संबंधित क्षेत्र में पेशेवर के रूप में न्यूनतम पांच वर्ष की नियमित नियुक्ति का अनुभव जरूरी है। आवेदनकर्ता के प्रस्तावित शोध क्षेत्र से संबंधित न्यूनतम 10 शोध पत्र विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त, यूजीसी लिस्टेड या न्यूनतम 5.0 के

कुल इम्पैक्ट फैक्टर वाले प्रतिष्ठित जर्नल्स में प्रकाशित होने चाहिए। इसके अलावा अभ्यर्थी का इन सभी शोध पत्रों में प्रथम लेखक या कोरेस्पॉन्डिंग लेखक होना अनिवार्य है। **मार्गदर्शन की दोहरी व्यवस्था**

अध्यादेश में दो प्रकार से अनुसंधान संपन्न करने का विशिष्ट प्रविधान किया गया है। जो अभ्यर्थी किसी विशेषज्ञ के अधीन शोध करना चाहते हैं, उन्हें विश्वविद्यालय एक एडवाइजर आवंटित करेगा। इस



प्रकार हैं: संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 2025 में अपनाए गए संयुक्त राष्ट्र उपभोक्ता उत्पाद सुरक्षा सिद्धांतों का शुभारंभ।

"सिद्धांत क्यों मायने रखते हैं?" पर उच्च स्तरीय औपचारिक चर्चा होगी जिसमें भारत भी भाग लेगा।

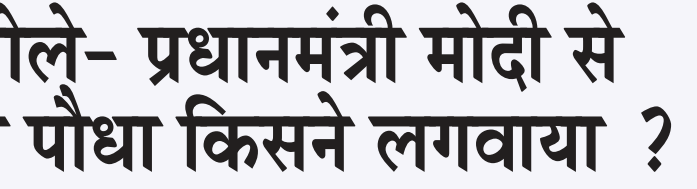
सदस्य देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र उपभोक्ता संरक्षण दिशानिर्देशों (यूपनजीसीपी) के कार्यान्वयन पर चर्चा।

उपभोक्ता सूचना एवं शिक्षा, सतत उपभोग, वैश्विक बाजारों में उपभोक्ता संरक्षण कानून लागू करना और सीमा पार उपभोक्ता संरक्षण पर विचार-विमर्श।

अर्जेंटीना के उपभोक्ता संरक्षण कानून और नीति की स्वेच्छिक सहकमी समीक्षा।

हाल के कानूनी और संस्थागत घटनाक्रमों की समीक्षा, क्षमता विकास संबंधी पहल और अगली बैठक के लिए रिपोर्ट और अंतिम एजेंडा।

पिछले चौदह महीनों में, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने 36 क्षेत्रों में



लेने के चक्कर में भाजपा ने इस रिफाइनरी का दो बार शिलान्यास



मनमोहन सिंह की सोच का नतीजा है. इस रिफाइनरी का 85 प्रतिशत काम कांग्रेस सरकार के दौरान ही पूरा हो चुका था. फिर भी क्रेडिट

ने क्यों कहा 'निवेशकों का एक पैसा नहीं डूबा' ?

विभाग का मानना है कि ऐसी स्थिति में अदालत में 'क्रिमिनल फ्रॉड' साबित करना मुश्किल होता, क्योंकि अभियोजन पक्ष को जूरी को यह समझाना पड़ता कि इतने अनुभवी निवेशक कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कंप्लायंस से जुड़े बयानों से गुमराह हो गए।

विभाग ने जोर देकर कहा कि अगर निवेशकों ने उन बयानों पर भरोसा किया भी था, तो भी उन्हें कोई वित्तीय नुकसान नहीं हुआ। फाइलिंग के अनुसार, निवेशकों को नुकसान न होना ही इस केस की समीक्षा और इसे बंद करने का मुख्य आधार बना।

मैकॉटर ने आगे कहा कि कोई भी निवेशक मुआवजे का हकदार नहीं होता क्योंकि भरपाई के लिए कोई घाटा हुआ ही नहीं था, जिससे आपराधिक कार्यवाही को आगे बढ़ाने का आधार कमजोर हो गया। अदालती दस्तावेज में यह भी जिक्र किया गया कि इन्हीं तथ्यों पर आधारित एक सिविल केस पहले ही सुलझाया जा चुका है। विभाग के अनुसार, इससे यह साफ हो गया कि अब आपराधिक मुकदमा चलाने की कोई जरूरत नहीं है। कुल मिलाकर, न्याय विभाग ने माना कि निवेशकों को नुकसान न होना और कानूनी व क्षेत्राधिकार से जुड़ी चुनौतियों को देखते हुए गौतम अदाणी के खिलाफ सिक्वोरिटीज फ्रॉड का मामला जारी रखना सही नहीं था।

योगी सरकार ने दी बड़ी राहत! सोलर आवर्स में एश चार्जिंग पर 20% टैरिफ छूट, अब यूपी में गाड़ी चार्ज करना हुआ सस्ता

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने

सोलर आवर्स में ईवी चार्जिंग पर 20%



टैरिफ छूट देने का ऐलान किया है. योगी सरकार सस्ती सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक यह छूट देगी. इससे यूपी में इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्ज करना सस्ता हो गया है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बिजली उत्पादन, आपूर्ति और उपभोक्ता राहत के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. प्रदेश में बिजली दरें देश की सबसे न्यूनतम दरों में हैं,

जबकि बिजली आपूर्ति देश की सर्वाधिक एवं सबसे बेहतर श्रेणी में

है. इसके साथ ही योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (एश) को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा के उपयोग को



प्रोत्साहित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है. योगी सरकार ने इलेक्ट्रिक व्हीकल पब्लिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने और दिन के समय उपलब्ध सस्ती सौर ऊर्जा के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक निर्धारित सोलर आवर्स में 20 प्रतिशत टैरिफ छूट की व्यवस्था लागू की है.

स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को मिलेगा प्रोत्साहन

मिलेगा

ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इस

आम महोत्सव में जिले की धूम, बसंत कुमार को सीएम ने किया सम्मानित

(जीएनएस)।

सहारनपुर। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन से पांच जुलाई तक हुए आम महोत्सव-2026 में जिले ने शानदार प्रदर्शन किया। बेहत रोड के गांव रंडौल निवासी बसंत कुमार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाग के बेहतर प्रबंधन, न्यूनतम कीटनाशक और उन्नतशील प्रजातियों के लिए सम्मानित किया है।

जिला उद्यान अधिकारी गमपाल सिंह ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा आयोजित आम महोत्सव में प्रदेशभर से आए किसानों ने अपनी-अपनी आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पवित्र बंधन में बंधे 411 जोड़े, 50 मुस्लिम भी शामिल

(जीएनएस)।

बहराइच, उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सामूहिक विवाह योजना के तहत रविवार को बहराइच के रामलीला ग्राउंड पर 411 जोड़ों ने एक साथ पवित्र बंधन में बंधे। इनमें 50 मुस्लिम जोड़े भी शामिल थे। यह कार्यक्रम सामाजिक सद्भाव और गरीब परिवारों की मदद का प्रतीक बन गया।

यूपी सरकार की इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवाओं के विवाह को सरल, सस्ता और सम्मानजनक बनाना है। राज्य सरकार प्रत्येक जोड़े को आर्थिक सहायता, धरौजू सामान और अन्य सुविधाएं प्रदान करती है। आज के कार्यक्रम में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के जोड़ों ने साथ-साथ भाग लिया, जो उत्तर प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द को मिसाल है।

मौलवी और पंडितों का कराया विवाह

कार्यक्रम स्थल पर विवाह

पंजीकरण की प्रक्रिया सुबह से चल

कैलाश विजयवर्गीय का विपक्ष पर तीखा हमला, कहा- 'जब देश को उनकी जरूरत...'

कैलाश विजयवर्गीय ने जोधपुर में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ की खूब तारीफ की.

साथ ही विपक्ष पर जमकर हमला

बोला.

(जीएनएस)। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास एवं संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को राजस्थान के जोधपुर में विपक्ष पर तीखा हमला बोला. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'कलदार सिक्के' बताया. उन्होंने कहा कि खरे सिक्के की खनक कभी खत्म नहीं होती और देश की जनता का भरोसा आज भी मोदी-योगी के नेतृत्व पर कायम है.

मीडिया से बातचीत में विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री

योगी सरकार ने दी बड़ी राहत! सोलर आवर्स में एश चार्जिंग पर 20% टैरिफ छूट, अब यूपी में गाड़ी चार्ज करना हुआ सस्ता

टैरिफ छूट से न केवल ईवी चार्जिंग को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को भी प्रोत्साहन मिलेगा जोकि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

लगातार सातवें वर्ष बिजली की दरों में नहीं की गई कोई वृद्धि

योगी सरकार का लक्ष्य प्रत्येक उपभोक्ता को सस्ती, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराना है. लगातार सातवें वर्ष भी प्रदेश में बिजली की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है. सभी उपभोक्ता श्रेणियों के लिए देय टैरिफ को यथावत रखा गया है.

यह निर्णय सरकार की जनकल्याणकारी सोच तथा गरीबों, किसानों, घरेलू एवं अन्य उपभोक्ताओं के हितों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है. उधर, उत्तर प्रदेश

विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में प्रतिदिन अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है. प्रदेश ने 32,673 मेगावाट की अब तक की सर्वाधिक विद्युत मांग को सफलतापूर्वक पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है.

प्रदेश में तापीय विद्युत परियोजनाओं पर तेजी से चल रहा कार्य

पूर्ववर्ती सरकारों के समय तापीय

पुराने हैं। उन्होंने लखनऊ में हुए आम महोत्सव में फजली, सवरभिस्ता,



बताया कि उनके बाग में कई पेड़ वर्षों

मलियागिरी, तोतापरी, मल्लिका,

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पवित्र बंधन में बंधे 411 जोड़े, 50 मुस्लिम भी शामिल



समुदायों के रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न करा रहे थे। जोड़ों ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए, फेरे लिए और मंत्रोच्चारण के साथ विवाह को परंपराएं पूरी कीं। महिलाओं और पुरुषों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

अब तक लाखों जोड़ों को मिला लाभ

रही थी। मौलवी और पंडित दोनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की

लोगों ने इस आयोजन की सराहना की। एक स्थानीय निवासी ने कहा, 'सरकार गरीबों के लिए कुछ कर रही है, यह अच्छा है।'

सबका साथ सबका विवाह इस सामूहिक विवाह में शामिल एक जोड़े ने बताया, 'घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। सरकार की मदद से हमारा विवाह हो गया। हम बहुत खुश हैं।' मुस्लिम समुदाय के एक दूल्हे ने कहा, 'सभी साथ में हैं, कोई भेदभाव नहीं।'यूपी सरकार का दावा है कि सामूहिक विवाह योजना बाल विवाह, दहेज जैसी सामाजिक कुुरीतियों को कम करने में भी मदद कर रही है। योजना के तहत न्यूनतम आयु सीमा का पालन अनिवार्य है। यह कार्यक्रम न केवल 411 जोड़ों के लिए नया जीवन शुरू करने का अवसर था बल्कि पूरे राज्य के लिए एक सकारात्मक संदेश भी। उत्तर प्रदेश में ऐसे आयोजन बढ़ रहे हैं, जो विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक कदम हैं।

सुनाई देती रहेगी." उन्होंने विश्वास

जताया कि उत्तर प्रदेश में बीजेपी एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी.

सपा पर साधा निशाना

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि "जो लोग कभी राम भक्तों पर गोली चलाने वालों की राजनीति करते थे, यदि आज राम-राम जप रहे हैं तो यह बदलते राजनीतिक माहौल का संकेत है. सनातन का विरोध करने वाले देश का नेतृत्व नहीं कर सकते."

इसके अलावा राहुल गांधी पर भी उन्होंने निशाना साधा. विजयवर्गीय ने कहा कि राहुल गांधी गंभीर नेता नहीं हैं और जब देश को उनकी जरूरत होती है, तब वो विदेश चले जाते हैं. इसलिए जनता भी उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेती.